शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण

विगत् सत्र से अब तक के अन्तराल में हमारे बीच से कई राजनेता, साहित्यकार, लेखक,अभिनेता,विद्वान और जवान गुजर गये। इनमे महाराजा कमल सिंह,देवी प्रसाद त्रिपाठी, मुन्नी लाल,टी0एन0 चतुर्वेदी,सावना लकड़ा,वशिष्ठ नारायण सिंह,श्रीराम लागू,स्वयं प्रकाश एवं विश्वनाथ पाण्डेय प्रमुख हैं।

प्रथम लोक सभा के सदस्य रहे महाराजा कमल सिंह का निधन 94 वर्ष की उम्र में 05 जनवरी,2020 को हो गया। वे एकीकृत बिहार के शाहाबाद उत्तरी क्षेत्र से लोक सभा के लिए निर्दलीय निर्वाचित हुए थे। अपने जीवन काल में उन्होने अनेक स्कूल,कॉलेजों की स्थापना की। तीन विषयों में स्नातक की शिक्षा उन्होने प्राप्त की थी। अपने इलाके में वे काफी लोकप्रिय थे तथा उनके परामर्श को लोग अपने अभिभावक के आदेश के रूप में ग्रहण करते थे। हम उनके निधन की सूचना से काफी दुखी हैं।

एन0सी0पी0 के पूर्व सांसद एवं राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक देवी प्रसाद त्रिपाठी का निधन दिनांक-02 जनवरी,2020 को हो गया। भारतीय राजनीति में विलक्षण प्रतिभा के धनी स्व0 त्रिपाठी को तत्कालीन प्रधान मंत्री स्व0 राजीव गाँधी ने अपना सलाहकार नियुक्त किया था। अपनी पढ़ाई उन्होने जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय से की थी। 2012 में वे राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। वे विदेश मामलों और रेलवे कन्वेंशन से संबंधित संसदीय समिति के सदस्य भी रहे।

सासाराम से तीन बार लोक सभा के लिए निर्वाचित तथा केन्द्रीय मंत्री रहे मुन्नीलाल जी का देहान्त दिनांक-23 दिसम्बर,2019 को पटना में हो गया। मुन्नी लाल जी अटल बिहारी वाजपेयी जी की केन्द्रीय सरकार में श्रम मंत्री थे। वे राजनीति के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी सक्रिय थे। राजनीति में आने के पहले वे प्रशासनिक सेवा में भी थे। उनकी गिनती एक जिम्मेदार अधिकारी के रूप में भी होती थी।

मध्य प्रदेश के पहले गैर कॉग्रेसी मुख्य मंत्री कैलाश जोशी का देहान्त 24 नवम्बर,2019 को 91 वर्ष की उम्र में हो गया। वे 1951से ही जन संघ से जुड़ गए थे। उनकी गिनती भारतीय जनता पार्टी के प्रबुद्ध नेता के तौर पर होती थी।

तीन बार राज्यसभा और दो बार लोक सभा के सदस्य रहे,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गुरुदास दासगुप्ता का निधन दिनांक-31 अक्टूबर,2019 को हो गया। देश के साम्यवादी आंदोलन में उनकी महान भूमिका रही। भारतीय राजनीति को उन्होंने लम्बे समय तक प्रभावित किया।

कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी टी0एन0चतुर्वेदी के निधन की दुखद सूचना भी हमें प्राप्त हुई है।

कृ0पृ0उ0/-

खिजरी विधान सभा सीट से दो बार काँग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले सावना लकड़ा का निधन दिनांक–14 अक्टूबर,2019 को हो गया। बिहार में स्व0 लकड़ा कुछ दिनों के लिए भवन निर्माण राज्यमंत्री भी थे। वे झारखण्ड विधान सभा के भी सदस्य रहे।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं समाजवादी नेता तुलसीदास मेहता का निधन दिनांक–12 सितम्बर,2019 को पटना में हो गया।

महान गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह का 77 वर्ष की उम्र में दिनांक–14 नवम्बर,2019 को निधन हो गया। स्व0 सिंह के द्वारा विश्व विख्यात गणितज्ञ अल्वर्ट आइंस्टीन के सापेक्ष सिंद्धान्त को भी चुनौती दी गयी थी। वे आई0आई0टी0कानपुर और मुम्बई में एसोसिएट प्रोफेसर भी रहे।

इन सबके अतिरिक्त बाल कहानियों की लेखिका शमीमा आलम,फिल्म अभिनेता श्रीराम लागू,स्वतंत्रता सेनानी विश्वनाथ पाण्डेय,हिन्दी के प्रसिद्ध कथाकार स्वयं प्रकाश,के निधन के साथ–साथ हमें दिल्ली अग्नि काण्ड एवं नक्सली हमले सहित पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद हुए झारखण्ड के जवानों के निधन और बासुकी नाथ मंदिर में विद्युत आघात से एक पुजारी के निधन की भी सूचना प्राप्त हुई है। इनके अतिरिक्त चुनावीं हिंसा में भी कतिपय लोगों के मारे जाने की दुखद सूचना है। इन सबके निधन की सूचना से हम दुखी हैं।

हम ईश्वर से प्रार्थना करते है कि वे दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करें और उनके परिजनों का शोक सहन करने की क्षमता दें।

+++++

सदन नेता

+++++

नेता विरोधी दल

+++++

दलीय नेतागण

कृपया दो पलों का मौन रखकर हम दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें।

+++++

धन्यवाद।